शिक्षा विद्याशाखा

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

पंजीकरण-पत्र

एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

शिक्षक शिक्षा का पुनरुन्नयन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

दिनांक : 20 फरवरी 2021

नाम : .....

पदनाम : .....

संस्था का नाम व पता : .....
.....
.....

पत्र-व्यवहार का पता : .....
.....
.....

मोबाइल नं. : .....

ई-मेल : .....

शोध पत्र का शीर्षक : .....
.....
.....
.....
.....

सह लेखकों के नाम (यदि कोई हो) : .....

हस्ताक्षर

Registration link : https://forms.gle/xeA4dwYMGZyVF2Zr9

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज

राष्ट्रीय कार्यशाला

शिक्षक शिक्षा का पुनरुन्नयन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

सेवा में,

आयोजक
शिक्षा विद्याशाखा
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज-211021
www.uprtou.ac.in
एवं
विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान
नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (उ0प्र0) 201301

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सफल क्रियान्वयन के परिप्रेक्ष्य में
शिक्षक शिक्षा के पुनरुत्थान हेतु

राष्ट्रीय कार्यशाला

शिक्षक शिक्षा का पुनरुन्नयन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

(दिनांक 20 फरवरी, 2021)

आयोजक
शिक्षा विद्याशाखा
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज-211021
www.uprtou.ac.in
एवं
विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान
नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (उ0प्र0) 201301

विश्वविद्यालय के बारे में

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विशविद्यालय की स्थापना उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम संख्या 10 के द्वारा सन् 1999 में हुई। विगत 21 वर्षों से विश्वविद्यालय अनवरत रूप से समाज के शिक्षा से वंचित जनसमुदाय, महिलाओं, सेवारत व्यक्तियों तथा दूरदराज क्षेत्रवासियों तक उच्च शिक्षा की ज्योति का प्रकाश पहुँचाकर आम जनमानस में आशा, शिक्षा एवं नवोत्साह का संचार कर रहा है। छात्र जहाँ, हम वहाँ, सबको शिक्षा सबको ज्ञान, सबका साथ सबका विकास, गुरुकुल से छात्र कुल के मंत्र को अपनी कार्यशैली में आत्मसात करते हुए उत्तर प्रदेश का एक मात्र मुक्त विश्वविद्यालय अपने 127 शैक्षणिक कार्यक्रमों का 1150 से अधिक अध्ययन केंद्र तथा 12 क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से रोजगारपरक एवं गुणत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के प्रदेशव्यापी प्रचार-प्रसार में अनवरत प्रगति पथ पर अग्रसर है। विभिन्न शैक्षणिक, प्रशासनिक गतिविधियों, कार्यक्रमों आदि के सुगमतापूर्ण संचालन हेतु विश्वविद्यालय मुख्यालय प्रयागराज में गंगा, यमुना एवं सरस्वती प्रांगण की स्थापना की गई है। डिजिटल इंडिया मिशन की दिशा में विश्वविद्यालय निरंतर अग्रसर है। अपने स्थापना काल से ही प्राचीन भारतीय परंपराओं के साथ समसामयिक नवीनतम कला-कौशल कलेवर से आच्छादित गुणवत्तापरक, रोजगारपरक, आत्मनिर्भरता की ओर उन्मुख उच्च शिक्षा प्रदान करके ऐसी युवा शक्तियों के निर्माण, परिष्कार तथा संवर्द्धन हेतु कृत संकल्पित है, जो भविष्य में विषमतामुक्त, भयमुक्त, भाई-भतीजावाद रहित, ममता, समरसता युक्त प्रबुद्ध मानव समाज के प्रति दृढ़ समर्पित होकर एक नवीन सशक्त राष्ट्र का निर्माण करने में अपना श्रेष्ठतम समर्पण कर सके।

कार्यशाला के बारे में

शिक्षा के क्षेत्र में मूल्योन्मुख एवं गुणवत्तापरक शिक्षा के क्षेत्र में विद्याभारती उच्च संस्थान महती भूमिका अदा कर रहा है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्याशाखा द्वारा अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम बी.एड. सन् 2003 में एवं सन् 2005 बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा) शुरू किया गया। इन कार्यक्रमों के संवैधानिक संस्थाओं यथा एन.सी.टी.ई. एवं आर.सी.आई. द्वारा बी.एड. एवं बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा) के पाठ्यक्रमों एवं संचालन नियमों में अनेकों परिवर्तन किये जाते रहे हैं। एन.सी.टी.ई. एवं आर.सी.आई. के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विश्वविद्यालय ने नये अध्यादेश/नियम बनाये तथा बी.एड. एवं बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा) के पाठ्यक्रमों का निर्माण भी किया है। परन्तु राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में पुनः शिक्षक शिक्षा के सम्बन्ध में अनेक परिवर्तन की अनुशंसायें की गयी हैं। अतः यह आवश्यक है कि अध्यापकों तथा अन्य विशेषज्ञों से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सफल क्रियान्वयन के सम्बन्ध में विचार-विमर्श कर शिक्षक शिक्षा में आवश्यक सुधार व परिमार्जन कर सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा सके। इसी संदर्भ में शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज तथा विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, नोएडा ने अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों की आवश्यकता के महत्त्व को ध्यान में रखते हुए ***'शिक्षा शिक्षा का पुनरुन्नयन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020'*** विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने का निश्चय किया है।

कार्यशाला का उद्देश्य

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में शिक्षकों को विचार विमर्श का मंच उपलब्ध कराना।
2. शिक्षकों, प्रबुद्ध व विशेषज्ञों के विचारों को संग्रह करना।
3. संग्रहित विचारों के आधार पर नीति निर्धारकों को अवगत कराना।
4. शिक्षकों को तकनीकी प्रयोग हेतु जागरूक करना।
5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सुझावों पर अध्यापक शिक्षा के स्वरूप पर मंथन करना।
6. शिक्षक शिक्षा में पुनरुन्नयन के आयाम निर्धारण हेतु मंथन करना।
7. शिक्षक शिक्षा में बहुविषयक उपागम के मुद्दे पर चर्चा करना।
8. शिक्षक शिक्षा का नियमन एवं क्रियान्वयन पर विचार विमर्श करना।
9. शिक्षक शिक्षा के पुनरुन्नयन में सूचना एवं सम्प्रेषण की भूमिका पर विचार करना।

कार्यशाला के उपविषय

कार्यशाला के विषय के अन्तर्गत आलेख व विचार आमन्त्रण हेतु निम्नलिखित उपविषय हैं-

1. पूर्व विद्यालयी, प्राथमिक विद्यालयी एवं माध्यमिक विद्यालयी शिक्षक शिक्षा में पुनरुन्नयन के आयाम।
2. शिक्षक शिक्षा में बहुविषयक उपागम के मुद्दे।
3. शिक्षक शिक्षा का नियमन एवं क्रियान्वयन।
4. शिक्षक शिक्षा के पुनरुन्नयन में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी।
5. शिक्षक शिक्षा में मूल्यों का अन्तर्निविष्टीकरण।

प्रतिभागी

अध्यापक शिक्षा से सम्बन्धित शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं शिक्षक शिक्षा से सम्बद्ध प्रबुद्धजनों तथा अन्य शैक्षणिक संवर्ग प्रत्यक्षतः प्रतिभाग कर सकते हैं। प्रतिभागियों को कोविड-19 के दिशा निर्देशों का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा। प्रतिभागियों को Online माध्यम से पंजीकरण दिनांक 20.02.21 पूर्वाह्न 10:00 बजे तक अथवा इसके पूर्व कराना होगा। जिसका **रजिस्ट्रेशन लिंक** निम्न है-

https://forms.gle/xeA4dwYMGZyVF2Zr9

पंजीकरण व पंजीकरण शुल्क

समस्त प्रतिभागियों को पंजीकरण प्रारूप के माध्यम से पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। पंजीकृत एवं प्रत्यक्ष रूप से प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों को ही प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम में पंजीकरण निःशुल्क होगा।

यात्रा भत्ता

किसी भी प्रतिभागी को किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता व अन्य कोई भी भत्ता देय नहीं होगा। पंजीकृत एवं प्रत्यक्ष रूप से प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों/अतिथियों/ आमंत्रित विशेषज्ञों के लिए दोपहर का भोजन निःशुल्क होगा।

आलेख/शोधपत्र

कार्यशाला के विषय व विभिन्न उप विषय से सम्बन्धित मौलिक आलेख एवं शोध पत्र प्रेषित करने की अंतिम तिथि 19 फरवरी, 2021 है। हिन्दी में प्रपत्र के लिए Kruti Dev 010, फाण्ट साइज 14, लाईन स्पेसिंग 1.5 तथा अंग्रेजी में प्रपत्र के लिए Times New Roman, फाण्ट साइज 12, लाईन स्पेसिंग 1.5 में होना चाहिए। आलेख या शोध पत्र लगभग 3000 शब्दों में होना चाहिए। गुणवत्ता की दृष्टि से चयनित आलेखों/शोध पत्रों का प्रकाशन विश्वविद्यालय द्वारा ISBN युक्त प्रोसीडिंग के रूप में किया जा सकता है। आलेख/शोध पत्र ई-मेल के माध्यम से ही स्वीकार किये जायेंगे। प्रपत्र प्रेषित करने हेतु ई-मेल outenw21@gmail.com है।

सम्पर्क सूत्र

कार्यशाला के विषय में जानकारी हेतु कार्यशाला के संयोजक प्रो. पी.के. पाण्डेय, प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा के मो.नं. 7525048011 पर अथवा सह संयोजक डॉ. दिनेश सिंह, सहायक निदेशक/सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा के मो.नं. 7525048013 पर सम्पर्क किया जा सकता है। कार्यशाला के विषय में के अन्य शिक्षकों के मो0 नं0 7525048012, 7525048100, 9839926442 पर अथवा email : **outnew21@gmail.com** पर भी सम्पर्क किया जा सकता है।

कार्यक्रम विवरण

दिनांक एवं दिन	सत्रों का विवरण				
	उद्घाटन सत्र एवं बीज उद्बोधन	प्रथम तकनीकी सत्र	द्वितीय तकनीकी सत्र	मुक्त परिचर्चा सत्र	समापन सत्र
20.02.2021 शनिवार	10:00 am - 11:00 am	11:45 am - 12:45 pm	01:45 pm - 03:15 pm	03:15 pm - 04:00 pm	04:00 pm - 04:30 pm

मुख्य संरक्षक : **प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह**
मा0 कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।

संरक्षक : **मा0 श्री रघुनन्दन जी**
भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान, विद्या भारती।

समन्वयक : **प्रो0 आनन्द शंकर सिंह**
प्राचार्य, ईश्वर शरण पी0जी0 कॉलेज, प्रयागराज।

सह समन्वयक : **श्री सुधाकर उपाध्याय जी**
भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान, विद्या भारती

संयोजक : **प्रो0 पी. के. पाण्डेय**
प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।

सह संयोजक : **डॉ0 दिनेश सिंह**
सहायक निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।

आयोजन समिति-

डॉ0 जी.के. द्विवेदी
डॉ0 सुरेन्द्र कुमार
डॉ0 नीता मिश्रा
श्री परविन्द कुमार वर्मा
डॉ0 अविनाश पाण्डेय
डॉ0 यू.एन. तिवारी
श्री राजमणि पाल

आयोजन स्थल

राष्ट्रीय कार्यशाला से सम्बन्धित कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन में अवस्थित तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित होंगे।